

श्री गणेशाय नमः

श्री कृष्णनाम माला

पार ब्रह्म परमेश्वर	जै श्री कृष्ण
श्रीगोलोक उजागर	जै श्री कृष्ण
गोपवंश जस वर्धन	जै श्री कृष्ण
श्रीयशुमति जीवन धन	जै श्री कृष्ण
नन्दराय आनन्द घन	जै श्री कृष्ण
श्रीस्वामिनि हर्ष बढ़ावन	जै श्री कृष्ण
गोपी नेह निबाहन	जै श्री कृष्ण
पूतना मुक्ति पठावन	जै श्री कृष्ण
शकटा सुर गति दायन	जै श्री कृष्ण
त्रणावृत हति प्राणनि	जै श्री कृष्ण
कंस को जीय डरावन	जै श्री कृष्ण
बालकेल मन भावन	जै श्री कृष्ण
बृजवासिनि हींय हुलसावन	जै श्री कृष्ण
सालिग्राम मुख पावन	जै श्री कृष्ण
मात तात मन मोहन	जै श्री कृष्ण

हंसि हंसि माटी खावन
मैया लकुटि डरावन
मुख त्रिलोक दिखावन
घर घर माखन चुरावन
ऊखलि दाम बंधावन
यमलार्जुन शाप छुड़ावन
मरिग दान उगाहन
गोपी रारि बढ़ावन
ले उरहन सब आवन
करि दर्शन मन भावन
नन्द एकादशि विरितन
वरुण दूत ले जावन
वरुण लोक कीय पावन
नन्दराय ले आवन
माता सोच मिटावन
गोपनि वैकुण्ठि दिखावन
बन बन धैनु चरावन
ग्वालनि झूठनि खावन
ब्रह्मा मोह उपजावन

[illegible]

जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण

[illegible]

मथुरा हित ललिचावन
बृजवासिनि वुह सतावन
श्रीयशुमति किय विरलापन
ले चले नन्द आनन्द घन
चतुर्भुज रूप दिखावन
आए मथुरा मोदन
कियो कुबिजा रूपु सुहावन
धनुष भंग कियो मोहन
कंस के प्राण निकन्दन
मात तात बंध मोचन
जै जै धुनि की संतनि
फिर आइ बसे वृन्दावन

दौड़ि मैया गलि लावनि
वृज गोपिनि मिले मन मोहन
श्रीस्वामिनि वर श्रीकृष्ण
अचलु राजु वृन्दावन

जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण

जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण
जै श्री कृष्ण